"निर्धनता दैवीय श्राप नहीं अपितु मानवीय सृष्टि है - महात्मा गाँधी"

समूह शक्ति

जयपुर | माह - सितम्बर, 2013 | वर्ष - एक | अंक - 5 | मासिक समाचार पत्र

विश्व बैंक मिशन द्वारा परियोजना प्रगति की समीक्षा

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् द्वारा राज्य में विश्व बैंक की सहायता से क्रियान्वित की जा रही राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से चौथे "विश्व बैंक मिशन" द्वारा 22 अगस्त से 31 अगस्त 2013 तक राज्य का दौरा किया गया। मिशन में टास्क टीम लीडर (TTL) श्री बिस्वजीत सेन सहित विश्व बैंक के अन्य 6 प्रतिनिधि श्री आदर्श कुमार, श्री जयपाल सिंह, श्री वरूण सिंह, श्री एस.बालागोपाल, श्री उपमन्यु दत्ता, श्री सविनय ग्रोवर भी शामिल सम्मिलित थे। इस 10 दिवसीय दौरे के आरंभ में विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने दो दलों में उदयपुर एवं चूरू ज़िले में फील्ड विज़िट कर परियोजनान्तर्गत किये जा रहे कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की।

जयपुर में 27 अगस्त को आयोजित समीक्षा बैठक में विश्व बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के समस्त अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार विमर्श एवं चर्चा कर प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में श्री सुबीर कुमार, स्टेट मिशन डॉयरेक्टर, डॉ0 रश्मि शर्मा, परियोजना निदेशक, श्री राकेश मल्होत्रा, परियोजना निदेशक (लाईवलीहुड) भी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान श्री राकेश मल्होत्रा, परियोजना निदेशक (लाईवलीहुड) ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की उपलब्धियों एवं प्राप्त किये गये लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। विश्व बैंक मिशन के सदस्य श्री आदर्श कुमार ने अपने प्रस्तुतिकरण में परियोजना प्रगति पर विश्व बैंक मिशन के अनुभव एवं विचार व्यक्त करते हुये भविष्य में किये जाने वाले कार्यों की रणनीति पर चर्चा की।

मिशन के विभिन्न विषय विशेषज्ञ सदस्यों ने परियोजना क्रियान्वयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यों यथा क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण, संगठन निर्माण, आजीविका, आई.ई.सी. आदि के बेहतर क्रियान्वयन के लिये मार्गदर्शन एवं सुझाव दिये। मिशन द्वारा परियोजना की अब तक की उपलब्धियों के संतोषजनक बताते हुये भविष्य में क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने को कहा गया। विश्व बैंक मिशन के सदस्यों द्वारा मुख्य सचिव महोदय, राजस्थान सरकार, अतिरिक्त मुख्य सचिव ,ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग एवं शासन सचिव, ग्रामीण विकास विभाग के साथ बैठक कर परियोजना सम्बन्धी नीतिगत विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

''कलम का नज़रिया''

जब कभी व्यक्ति या समाज अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक होकर अंर्तप्रेरणा से अपनी क्षमताओं, आत्मबल व इच्छाशक्ति को एक दिशा में केन्द्रित कर सामूहिक रूप से अपने लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करते है तब तक एक ऐसी क्रांति का उद्भव होता है जो सदियों से पिछड़ें जीर्ण एवं उपेक्षित समाज के विकृत स्वरूप को परिवर्तित कर नवीन, एवं स्वस्थ सामाजिक ढाँचे का निर्माण करती है। इस नवीन संरचना को सुदृढ़ कर सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर करने के लिये उचित मार्गदर्शन व सतत् सहयोग नितान्त आवश्यक है। ऐसे ही प्रयास राजस्थान में गरीबी उन्मूलन एवं ग्रामीण निर्धन परिवारों को आजीविका के नये अवसर उपलब्ध करा कर उनके जीवनस्तर को ऊँचा उठाने के लिये राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा किये जा रहे है। परिषद द्वारा राज्य में ऐसी दूरदर्शी एवं प्रगतिशील आजीविका परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से राज्य की ग्रामीण निर्धन महिलायें अपने सामर्थ्य एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ कर न केवल स्वयं को अपितु अपने परिवार को निर्धनता के दुष्चक्र से बाहर निकालने में सफल हो पायेंगी।

इन परियोजनाओं के नीतिगत स्वरूप एवं क्रियान्वयन रणनीति का निर्धारण महिलाओं के क्षमता विकास को केन्द्र बिन्दु मानकर इसके इर्द–गिर्द किया गया है। विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना हो अथवा केन्द्र सराकर द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रत्येक परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आत्मशक्ति, आत्मविश्वास व आत्म सम्मान की भावना विकसित कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु आवश्यक सहयोग यथा वित्तीय सहयोग, प्रशिक्षण, क्षमता विकास आदि राजीविका द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

वर्तमान परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति एवं अब तक किये गये प्रयासों तथा उनके परिणामों के आधार पर निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि राजीविका के प्रयास स्वयं सहायता समूह आन्दोलन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त करने में अवश्य सफल होंगें।

डॉ0 रश्मि शर्मा,
परियोजना निदेशक (एन.आर.एल.एम.)

विश्व बैंक दल का उदयपुर ज़िले में भ्रमण

उदयपुर – विश्व बैंक मिशन के टास्क टीम लीडर श्री बिस्वजीत सेन एवं सदस्य श्री वरूण सिंह ने जिले का दौरा कर विश्व बैंक की सहायता से चल रही राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के विभिन्न आयामों एवं घटकों की समीक्षा की। उदयपुर में 22 अगस्त 2013 को आयोजित समीक्षा बैठक में राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई से परियोजना निदेशक (आजीविका) डॉ राकेश मल्होत्रा, जिला परियोजना प्रबन्धक, उदयपुर के साथ–साथ जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई, उदयपुर के समस्त प्रबन्धक, सर्प, आन्ध्रप्रदेश के स्टेट एन्कर पर्सन के साथ डूँगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा जिलों के जिला परियोजना प्रबन्धकों ने भाग लिया। टास्क टीम लीडर श्री सेन ने ज़िलेवार चलाई जा रही परियोजना की गतिविधि वार समीक्षा करते हुये स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं कॉप्शन में तेज़ी लाने, क्षमतावर्धन करने तथा आजीविका संवर्धन राशि जारी किये जाने के दिशानिर्देश दिये।

आगामी दिवस को ज़िले के रिर्सोस ब्लॉक खेरवाड़ा के भूधर पीएफटी कार्यालय के सभागार में आयोजित स्वयं सहायता समूह एवं उत्थान संस्थान के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से खुला संवाद करते हुये विश्व बैंक दल के प्रतिनिधियों ने सदस्यों से पंचसूत्रों के बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समूह गठन से पूर्व सदस्यों द्वारा उधार प्राप्त करने की ब्याज दर तथा आजीविका संवर्धन योजना पर जानकारी प्राप्त करते हुये योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

फील्ड विज़िट के अगले चरण में दल के सदस्यों ने ऋषभदेव पीएफटी कलस्टर के गरनाला कोटड़ा ग्राम पंचायत के कदवाल गाँव में सर्प सी. आर.पी. के माध्यम से गठित 3 माह पुराने स्वयं सहायता समूह से मिल कर उनकी साप्ताहिक बैठक में भाग लेते हुये प्रक्रिया का अवलोकन किया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत किकावत में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, सी.आर.पी. महिलाओं एवं जनप्रतिनिधियों की संयुक्त कार्यशाला में भाग लिया। दल के सदस्यों ने क्षेत्र में पंचायती राज संस्थाओं के अध्यक्षों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के योजना से जुड़ाव को सराहते हुये उनसे समूह के सदस्यों को लगातार क्षमता निर्माण में सहयोग प्रदान करने की अपील की। दल के सदस्यों द्वारा फील्ड विज़िट के उपरान्त जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई के सभी सदस्यों से विचार विमर्श करते हुये परियोजना के सफल संचालन हेतु बिन्दुवार एवं समयवार कार्ययोजना, चुनौतीयों एवं कठिनाईयों पर व्यापक विचार विमर्श करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

चूरू में विश्व बैंक दल भ्रमण

चूरू – राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिये आये विश्व बैंक मिशन के प्रतिनिधि दल ने जिला चूरू में परियोजना की गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दल में श्री जयपाल सिंह व श्री आदर्श कुमार सम्मिलित थे। दल के साथ राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई से श्री अनिल कुमार सिंह, स्पेशलिस्ट माईक्रोफाईनैन्स भी उपस्थित थे। इस दो दिवसीय दौरे के दौरान दल द्वारा चूरू सहित पाँच जिलों झालावाड़, कोटा, बारां, टोंक व बीकानेर की प्रगति की समीक्षा की गई तथा जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई चूरू के कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया।

विश्व बैंक दल ने ग्राम ढांढर, दान्दू, लाखाऊ, आसलू, सिरसली व सात्यूं का भ्रमण कर सामुदायिक संगठनों स्वयं सहायता समूह व उत्थान संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन कर इनके पदाधिकारियों व सदस्यों से संचालन, गतिविधियों व कठिनाईयों के संबंध में व्यापक चर्चा की। दल द्वारा रिसोर्स ब्लॉक चूरू के पीएफटी कार्यालय सिरसला का निरीक्षण करने के उपरान्त समीक्षा बैठक में जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई के सभी सदस्यों से परियोजना के संचालन हेतु कार्य योजना, चुनौतियों व विषमताओं पर व्यापक विचार विमर्श किया।

आर.आर.एल.पी. जिलों में प्रारंभ हुआ तीसरा सी.आर.पी.राउण्ड

झालावाड, बारां, कोटा, टोंक व चूरू जिले में तीसरे सी.आर. पी. राउण्ड के प्रारंभ से राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत समूह गठन के कार्य में तीव्र गति से हो रहा है। 26 अगस्त 2013 से प्रारंभ होकर 45 दिवस तक चलने वाले इस सी.आर.पी. राउण्ड के दौरान सोसायटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पावर्टी (सर्प) आँध्रप्रदेश से आये 19 सी.आर.पी. दल उपरोक्त जिलो के 57 गाँवों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, समूह के सदस्यों एवं बुक कीपर को प्रशिक्षण प्रदान करेंगें। उल्लेखनीय है कि सी. आर.पी. राउण्ड के दौरान प्रत्येक 5 सदस्यीय सी.आर.पी. दल द्वारा 15–15 दिन तक एक गाँव में कार्य करते हुये कुल तीन गाँवों में समूह गठन का कार्य किया जायेगा।

एन.आर.एल.पी. रिसोर्स ब्लॉक में द्वितीय सी.आर.पी. राउण्ड प्रारंभ

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत क्रियान्वित की जा रही रिसोर्स ब्लॉक स्ट्रैट्जी के तहत जीविका, बिहार से आये 12 सी.आर.पी. दलों द्वारा द्वितीय राउण्ड में समूह गठन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। 10 सितम्बर से 10 अक्तूबर तक चलने वाले इस राउण्ड के दौरान 60 सी.आर.पी.महिलायें अजमेर, चित्तौड़गढ़ व जोधपुर के रिसोर्स ब्लॉक क्रमशः केकड़ी, बेगूं व बालेसर ब्लॉक के कुल 24 गाँवों में ग्रामीण निर्धन महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन एवं समूह के कुशल संचालन हेतु प्रशिक्षण प्रदान करेंगी।

आंतरिक प्रोफैशनल रिसोर्स पर्सन हेतु पॉलिसी जारी

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् द्वारा आंतरिक सी.आर.पी द्वारा किये गये प्रयासों को सुदृढ बनाने के लिये प्रोफैशनल रिसोर्स पर्सन (पी.आर.पी.) तैनात करने सम्बन्धी पॉलिसी जारी कर दी गई है। इस पॉलिसी के अनुसार परिषद् द्वारा राज्य में विधमान एवं सफलतापूर्वक संचालित स्वयं सहायता समूह फेडरेशन से अनुभवी व्यक्तियों को प्रोफेशनल रिसोर्स पर्सन (पी.आर.पी.) के रूप में चयनित किया जायेगा। ये पी.आर.पी. आंतरिक सी.आर. पी. द्वारा गठित समूहों को सहज संचालन एवं सतत् विकास हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगें। समूह गठन करने के साथ पी.आर.पी. समूहों का बैंक लिंकेज कराने, प्राथमिकता योजना (Priority Plan) सूक्ष्म साख आजीविका योजना (MCLP) बनाने एवं अन्य विषयों पर प्रशिक्षण भी देंगें।

सर्प सी.आर.पी. दलों के लिये डी–ब्रीफिंग कार्यशाला का आयोजन

राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत बांसवाड़ा व उदयपुर जिले में दूसरे तथा भीलवाड़ा, राजसमंद, एवं डूंगरपुर में पहले सी. आर.पी. राउण्ड की समाप्ति के पश्चात 4 सितम्बर 2013 को इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर में डी–ब्रीफिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सी.आर.पी., पी.आर.पी. एवं जिला परियोजनाकर्मियों ने अपने अनुभवों एवं चुनौतियों को सांझा किया। इसके साथ ही 5 जिलों से आयी 90 सक्रिय महिला कार्यकर्ता (वीमेन एक्टिविस्ट्स) भी कार्यशाला में उपस्थित रही।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री सी. एस. राजन, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्री कुलदीप रांका, शासन सचिव, ग्रामीण विकास , श्री सुबीर कुमार, स्टेट मिशन डायरेक्टर, डॉ0 रश्मि शर्मा, परियोजना निदेशक, डॉ0 राकेश मल्होत्रा, परियोजना निदेशक, लाईवलीहुड, राजीविका के साथ राज्य एवं जिले से कई अधिकारी मौजूद थे। अपने उद्बोधन में श्री सी. एस. राजन, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग ने सी.आर.पी. महिलाओं की सराहना करते हुये कहा कि दक्षिण भारत से होने के बावजूद भी ये सी.आर.पी. महिलाएँ भाषा व संस्कृति के अन्तर को पाट कर राजस्थान की महिलाओं से आत्मीयता से जुड़कर उनमें आत्मविश्वास जागृत कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि बांसवाड़ा, उदयपुर, में सीआरपी दलों नें दूसरें राउण्ड में कुल 190 स्वयं सहायता समूहों के गठन के साथ 156 बुक कीपरों को प्रशिक्षण प्रदान किया। भीलवाड़ा, राजसमंद, एवं डूंगरपुर में सीआरपी दलों नें पहले राउण्ड में कुल 259 स्वयं सहायता समूहों के गठन किया एवं 194 बुक कीपरों को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीआरपी दलों द्वारा कुल 129 महिला कार्यकर्ताओं का चयन किया गया है जो क्षेत्र में गठित समूहों के सुचारू संचालन में सहयोग करेंगे।

परिषद् की विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह, सी.डी.ओ. व फेडरेशन कॉ–ऑप्ट करने में पॉलिसी जारी

राजीविका द्वारा संचालित विभिन्न आजीविका परियोजनाओं के अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों एवं उनके उच्च स्तरीय संगठनों यथा सी.डी.ओ. एंव फेडरेशन का कॉ–ऑप्ट करने सम्बन्धी पॉलिसी तैयार कर जारी कर दी गई है। इस पॉलिसी के अनुसार राज्य में पूर्व में विधमान स्वयं सहायता समूहों, सी.डी.ओ. एंव फेडरेशन का निर्धारित मापदण्डों के आधार पर मूल्यांकन कर निर्धारित पात्रता एवं कॉ–ऑप्शन की प्रक्रिया के अनुरूप परिषद की योजनाओं के अन्तर्गत सम्मिलित किया जायेगा।

परिषद इन कॉ–आप्ट किये गये संस्थानों को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार वित्तीय एवं क्षमता विकास सम्बन्धी सहयोग प्रदान करेगी जिससे इन संगठनों का चहुँमुखी विकास हो सकें।

आपका हक

''मुख्यमंत्री ग्रामीण बी.पी.एल.आवास योजना''

राज्य सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में आवास विहीन बी.पी.एल. परिवारों को निःशुल्क पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिये ''मुख्यमंत्री ग्रामीण बी.पी.एल. आवास योजना'' का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह योजना राज्य में 2011–12 से 2013–14 तक लागू रहेगी।

1. योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, मुक्त बंधुआ मजदूरी, अल्पसंख्यकों एवं गैर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवार, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युद्धों में मारे गये सशस्त्र/अर्द्धसैनिक बलों के जवानों की विधवाओं को इंदिरा आवास योजना की तर्ज पर वित्तीय सहायक देकर नवीन आवासीय इकाईयों के निर्माण में सहायता की जायेगी।
2. लाभार्थियों का चयन इंदिरा आवास योजना के लिये तैयार की गई वर्गवार स्थायी प्रतीक्षा सूची में से किया जायेगा।
3. स्थाई प्रतीक्षा सूची के ऐसे परिवार जिनके पास पक्का मकान नही हो तथा पूर्व में किसी आवासीय योजना से लाभान्वित नही हो, उन्हे पात्र माना जायेगा।
4. लाभार्थियों के चयन में प्राथमिकता का क्रम निर्धारित किया गया है।
5. नवीन आवास का निर्माण लाभार्थी द्वारा स्वयं किया जायेगा। लाभार्थी निर्माण के लिये जरूरी निर्माण सामग्री एवं कुशल श्रमिकों की व्यवस्था स्वयं कर सकते है।
6. लाभार्थियों की इच्छा पर जिला परिषदें आवास निर्माण में तकनीकी मार्गदर्शन पंचायत समिति के अभियंताओं से दिलवायेंगी।
7. नवीन आवास निर्माण के अलावा स्वच्छ शौचालय के निर्माण करने पर ''सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान'' से अतिरिक्त अनुदान सहायता देय होगी।

योजना से सम्बन्धित किसी भी कठिनाई शिकायत, जानकारी, सुझाव के लिये ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सेवक, पंचायत समिति स्तर पर विकास अधिकारी, जिला परिषद् स्तर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी से सम्पर्क किया जा सकता है।

ग्राम संगठन के पदाधिकारी प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन करते हुए

हस्तशिल्प मेला ''श्रीनाथ क्राफ्ट बाजार नाथद्वारा'' राजसमन्द में राजीविका द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन

राजसमन्द – जिले के प्रमुख तीर्थ स्थल श्री नाथद्वारा की पावन धरती पर लाल बाग के समीप हाट बाजार में 27 अगस्त से 1 सितम्बर तक जिला प्रशासन, विश्वास संस्थान, रूडा, हिन्दुस्तान जिंक (वेदान्ता), वण्डर सीमेन्ट, श्रीनाथ दस्तकार सोसायटी, द्वारा हस्तशिल्प मेला ''श्रीनाथ क्राफ्ट बाजार'' का आयोजन किया गया। मेले में राज्य एवं राज्य के बाहर से 100 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया था। इस अवसर पर आजीविका परियोजनाओं की गतिविधियों को प्रचारित एवं प्रसारित करने के उद्देश्य से जिला परियोजना प्रबंधन इकाई, राजीविका, राजसमन्द ने भी मेले में भाग लिया। नाथद्वारा राजसमन्द जिले का एक प्रमुख केन्द्र होने के कारण आस–पास के ग्रामीण मेलार्थियों की सम्भावना को मद्देनजर रखते हुए मेले में राजीविका की एक स्टॉल प्रदर्शनी के रूप में लगाई गई जिसमें परियोजना से सम्बन्धित पोस्टर, बेनर, बुकलेट, चार्ट इत्यादि से परियोजना की गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों के दूर दराज़ गाँवों में रहने वाले ग्रामीणों तक योजना की गतिविधि की जानकारी के प्रचार–प्रसार हेतु पेम्पलेट इत्यादि का वितरण भी किया गया।

'श्रीनाथ क्राफ्ट बाजार'' 2013 का शुभारम्भ दिनांक 27.08.2013 को जिला कलक्टर महोदय, राजसमन्द डॉ. प्रीतम बी. यशवन्त एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजसमन्द श्री रामदेव सिंह के मुख्य आतिथ्य व अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री लालचन्द्र कटारिया ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन करते हुए जिले में ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना की प्रगति तथा कार्य योजना की जानकारी भी ली। छः दिन चले इस मेले में जिले के विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों एवं पदाधिकारियों द्वारा मेले में आकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया एवं परियोजना सम्बन्धित जानकारी प्राप्त की। खमनोर ब्लॉक के महिला स्वयं सहायता समूहों एवं ग्राम संगठनों की महिला पदाधिकारियों व समूह सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया व इसे परियोजना का अभिनव प्रयास बताया। इसी प्रकार मेले में आने वाले अन्य मेलार्थियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर परियोजना गतिविधियों की जानकारी ली ।

स्वताधिकारी राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के लिए प्रकाशक स्टेट मिशन डायरेक्टर, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् "राजीविका" जयपुर द्वारा प्रकाशित।
प्रकाशक– सुबीर कुमार (आई.ए.एस.), स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका)।
सम्पादक– डॉ. रश्मि शर्मा **सह सम्पादक–** विजय शर्मा **संकलन–** अंजु बर्क
पता – तृतीय तल, आरएफसी ब्लॉक, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर (राज.)।
दूरभाष – 0141–2227011, 2227416, फैक्स– 2227723, website: www.rgavp.org

Printed by: Bhavan Graphic Printers # 09413341320